

प्रेषक,

आर0सी0 लोहनी,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून ।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 07 अक्टूबर, 2010

विषय : वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत मदों में धनावंटन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 3354/मु0अ0वि0/बजट/बी-1 सामान्य दिनांक 07.09.2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि सिंचाई विभाग के लिए वर्ष 2010-11 में आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत अनुदान संख्या-20 में राज्य सैक्टर की योजनाओं के लिए कुल ₹ 136.00 लाख (₹ एक करोड़ छत्तीस लाख मात्र) की धनराशि, जिसका विवरण संलग्नक-1 में अंकित है, को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उन्हीं योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है व योजना निर्माणाधीन है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
2. धनराशि का आहरण व व्यय वास्तविक आवश्यकता के अनुसार किरतों में किया जायेगा।
3. धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृत एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
4. उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका, अधिप्राप्ति नियमावली तथा शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
5. स्वीकृति धनराशि का खण्डवार विभाजन/फाँट मुख्य अभियन्ता एवं उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
6. जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
7. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर रखी जा रही धनराशि को आहरण एवं वितरण अधिकारियों को प्राविधान/परिव्यय, जो भी कम हो, की सीमा तक तत्काल अवमुक्त किया जाए जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
8. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष द्वारा आहरण एवं वितरण अधिकारियों तथा कौषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण बी0एम0-17 पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार

निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

9. कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
11. त्रैमासिक रूप से कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं व्यय विवरण शासन एवं केन्द्र पोषित योजनाओं में भारत सरकार को उपलब्ध करा दिया जायेगा और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दि० 31 मार्च, 2011 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
12. धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
13. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्यय की अनुदान सं०-20 के आयोजनागत मद के अन्तर्गत संलग्नक-1 में उल्लिखित लेखाशीर्षक/उपलेखा शीर्षकों के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामों डाला जायेगा।
14. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 517/XXVII(2)/2010, दिनांक 05 अक्टूबर, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(आर० सी० लोहनी)
संयुक्त सचिव।

संख्या 2610(1)/I-2009-03(05)/09,टी०सी०-। तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 3- निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 4- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पोड़ी/कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल।
- 5- समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
- 6- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 7- वित्त अनुभाग-2
- 8- गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,

(एस०एस० टोलिया)
अनु सचिव।

(धनराशि ₹ लाख में)

क्र.सं.	योजना का नाम	प्राविधान	अवमुक्ति हेतु प्रस्तावित
1	2	3	4
1	4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 01-जमरानी बांध 800-अन्य व्यय 02-अन्य रखरखाव व्यय-0201 निर्माण कार्य 24 वृहत् निर्माण कार्य	50.01	50.00
2	4701 मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 052 मशीनरी तथा उपस्कर 03-नदीन सम्पूर्ति 12 कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण 26 मशीनें और सज्जा/उपकरणऔर संयन्त्र	6.00 6.00	6.00 6.00
3	4701 मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 80 सामान्य 003-प्रशिक्षण 03 निर्माण कार्य 24 वृहत् निर्माण कार्य	20.00	20.00
4	4701- मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 80 सामान्य 004-शोध कार्यक्रम का विस्तार 03-निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	25.00	25.00
5	4701- मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय 80 सामान्य 006-परिकल्प एवं प्रशिक्षण संस्थाओं का उच्चीकरण 03 निर्माण कार्य 42-अन्य व्यय	29.00	29.00
	योग राज्य सैक्टर	136.01	136.00

(₹ एक करोड़ छत्तीस लाख मात्र)

(एस0 एस0 टोलिंग)
अनु सचिव।